कार्यक्रम

शुक्रवार, 13 सितंबर, 2024

06.00 pm to 07.30 pm : **स्वागत सत्र**
सम्मेलन का उद्देश्य

शनिवार, 14 सितंबर, 2025

06.30 am to 08.30 am : **राजयोग मेडिटेशन सत्र 1**
स्वयं की पहचान

10.30 am to 01.00 pm : **उद्घाटन एवं खुला सत्र-1**
राजनीति में नैतिकता और आध्यात्मिकता - एक स्वर्णिम युग की ओर

04.00 pm to 05.30 pm : **खुला सत्र-2**
आत्म-ज्ञान से राष्ट्र का नव निर्माण

06.30 pm to 08.30 pm : **सांस्कृतिक कार्यक्रम**
बी. के. ग्रुप, माउंट आबू

रविवार, 15 सितंबर, 2025

06.30 am to 08.30 am : **राजयोग मेडिटेशन सत्र 2**
सर्वोच्च शक्ति की पहचान

10.30 am to 1.00 pm : **खुला सत्र-3**
शांतिपूर्ण समाज के लिए नेतृत्व में आध्यात्मिकता

04.00 pm to 05.30 pm : **चर्चा सत्र**
नेतृत्व में तनाव प्रबंधन के लिए आत्म-जागरूकता

06.30 pm to 08.30 pm : **समापन सत्र**
राजनेता: सेवक या शासक? - आत्म-अवलोकन द्वारा श्रेष्ठ नेतृत्व

सोमवार, 16 सितंबर, 2025

06.30 am to 08.30 am : **राजयोग मेडिटेशन सत्र 3**
परमपिता से जुड़ने की विधि

10.00 am to 06.00 pm : **परिसर का दौरा**

नई शुरुवात के लिए प्रस्थान

सादर निमंत्रण

राजनीति में नैतिकता और आध्यात्मिकता- एक स्वर्णिम युग की ओर

विषय पर राजनीतिज्ञों का सम्मेलन

12 से 15 सितंबर 2025

ब्रह्माकुमारीज़, दिव्य अनुभूति हॉल,
आनंद सरोवर, शांतिवन, आबू रोड, (राज.)

आयोजक

राजनीतिज्ञ सेवा प्रभाग (RERF) तथा
प्रजापिता ब्रह्माकुमारी ईश्वरीय विश्व विद्यालय
अंतर्राष्ट्रीय मुख्यालय : माउंट आबू - 307 501 (राजस्थान)

राजनीति में नैतिकता और आध्यात्मिकता- एक स्वर्णिम युग की ओर

विषय पर राजनीतिज्ञों का सम्मेलन

हम ऐसे समय के दौर से गुजर रहे हैं जब अचानक ही तीव्र गति से परिवर्तन हो जाता है। इसके परिणामस्वरूप हमें अत्यधिक अनिश्चितता का सामना करना पड़ जाता है।

संसार की यह हलचल वाली बाह्य स्थिति हमारी आंतरिक स्थिति का ही प्रतिबिंब है, जिससे यह दिखाई पड़ता है कि हमारी नैतिक, आचार संबंधी और आध्यात्मिक नींव कमज़ोर हो गई है। अहंकार, वासना और लोभ ने मानव मानस में गहरी जड़ें जमा ली हैं, जिससे हर किसी के मन में 'मुझे चाहिए' की संस्कृति बड़े पैमाने पर निर्मित हो गई है। इस 'चाहिए-चाहिए' की इच्छा को पूरा करने के लिए मानव किसी भी हद तक गिरने को तैयार हो जाता है।

अब समय आ गया है जब हमें अपना ध्यान नैतिक, नीतिपरक और आध्यात्मिक आयामों की ओर लगाना चाहिए और इन तत्वों को मजबूत करना चाहिए क्योंकि वास्तव में ये ही खुशहाल और सुखी समाज की नींव हैं। वर्तमान संकटपूर्ण समय की पुकार यही है कि विश्व की सभी समस्याओं का समाधान श्रेष्ठ मानवीय चेतना में, शाश्वत आध्यात्मिक ज्ञान एवं मूल्यों को धारण करने में ही निहित है।

इस परिवर्तन के कार्य में राजनीतिज्ञों की अहम भूमिका साबित होती है। सामाजिक बुराइयाँ हमारे देश को खासकर देश की उन्नति के आधार स्तंभ नवयुवकों को बरबाद कर रही हैं। उनका नैतिक अध:पतन होता जा रहा है। राजनीतिज्ञ देश की अखंडता, दूरदर्शिता, साहस और अनुकंपा को स्थापन करने में महत्वपूर्ण योगदान दे सकते हैं।

आध्यात्मिक सशक्तिकरण तब होता है जब हम अपनी भावनाओं और विचारों पर इतना नियंत्रण कर लेते हैं कि परिस्थितियाँ हमें या हमारी मनःस्थिति को प्रभावित नहीं कर पाती, लेकिन हम उनका वास्तविक स्वरूप समझ लेते हैं। राजयोग (आध्यात्मिक ज्ञान-आधारित मेडिटेशन) एक जादुई अमृत है जिससे यह आध्यात्मिक सशक्तिकरण हो जाता है।

मेडिटेशन के अभ्यास से मन शांत हो जाता है। इससे निजी बाधाओं और विघ्नों को दूर करने की शक्ति आत्मा में भर जाती है। आत्मा समर्थ बन जाती है। आध्यात्मिक ज्ञान पर आधारित मेडिटेशन करने से स्वयं के प्रति, अपने सम्पर्क और संबंध में आने वालों के प्रति, और परमात्मा से संबंध के प्रति एक नए दृष्टिकोण का निर्माण होता है। इसके परिणामस्वरूप मन की शांति और अडोल स्थिति की प्राप्ति से किसी भी परिस्थिति या समस्या की हलचल हमें विचलित नहीं कर सकती। इससे हमें जो संतुष्टि मिलती है उससे हमारी आत्मा शक्तिशाली बन जाती है।

इस उद्देश्य को प्राप्त करने के तरीकों और साधनों पर विचार-विमर्श करने के लिए "राजनीति में नैतिकता और आध्यात्मिकता-एक स्वर्णिम युग की ओर" विषय पर एक सम्मेलन का आयोजन ब्रह्माकुमारीज़, शांतिवन-आनंद सरोवर, आबू रोड में 12 से 15 सितंबर 2025 तक किया गया है। इसमें भाग लेने के इच्छुक व्यक्ति पंजीकरण के लिए निकटतम ब्रह्माकुमारीज़ केंद्र से संपर्क कर सकते हैं।

संस्था का उद्देश्य:

ब्रह्माकुमारी संस्था मानव मात्र के आध्यात्मिक, चारित्रिक, मौलिक एवं नैतिक उत्थान हेतु वर्ष 1937 से निरंतर रूप से सेवारत है। प्रजापिता ब्रह्माकुमारी ईश्वरीय विश्व विद्यालय एक गैर व्यावसायिक आध्यात्मिक शिक्षा संस्थान है। इसके संपूर्ण भारत सहित विश्व के पाँचों महाद्वीपों में 140 देशों में स्थित हज़ारों सेवाकेन्द्र कार्यरत हैं। इसका अंतर्राष्ट्रीय मुख्यालय राजस्थान के माउण्ट आबू में स्थित है। इस संस्थान की विश्वव्यापी सेवाओं के लिए संयुक्त राष्ट्र संघ ने इसे यूनिसेफ (UNICEF) के साथ-साथ आर्थिक एवं सामाजिक परिषद् (ECOSOC) में सलाहकार का दर्जा प्रदान किया है।

राजयोग एज्युकेशन एंड रिसर्च फाउंडेशन (आर. ई. आर. एफ.) का राजनीतिज्ञ सेवा प्रभाग समान उद्देश्यों के साथ सहयोगी संस्था है। प्रभाग के उद्देश्य का एक हिस्सा उन राजनेताओं को प्रोत्साहित करना और समर्थन देना है जो संस्था के सिद्धांतों के स्तर से काम कर रहे हैं, जो हर कदम पर उनकी अखंडता की रक्षा करते हैं। यह मूल्यों का वह पहलू है जो हाल के समय के राजनीतिक क्षेत्रों से खत्म होता जा रहा है।

अधिक जानकारी के लिए संपर्क

ब्र. कु. बृजमोहन
अध्यक्ष,
राजनीतिज्ञ सेवा प्रभाग
9650692053
brijmohan@bkivv.org

ब्र. कु. लक्ष्मी
उपाध्यक्ष,
राजनीतिज्ञ सेवा प्रभाग
9880283752
yadavgiri.mys@bkivv.org

ब्र. कु. उषा
राष्ट्रीय संयोजिका,
राजनीतिज्ञ सेवा प्रभाग
9529979991
politicianswing@bkivv.org

पंजीकरण के लिए नजदीकी ब्रह्माकुमारीज़ केंद्र से संपर्क करें

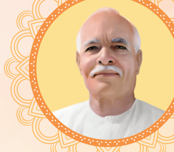

प्रजापिता ब्रह्मा बाबा
संस्थापक

मोहिनी दीदी
मुख्य प्रशासिका, ब्रह्माकुमारीज़

ब्र. कु. बृजमोहन
अध्यक्ष, राजनीतिज्ञ सेवा प्रभाग
महासचिव, ब्रह्माकुमारीज़

ब्र. कु. लक्ष्मी
उपाध्यक्ष,
राजनीतिज्ञ सेवा प्रभाग

ब्र. कु. उषा
राष्ट्रीय संयोजिका,
राजनीतिज्ञ सेवा प्रभाग